भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 774

गुरूवार, 8 फरवरी, 2024/19 माघ, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

लक्षद्वीप द्वीप समूह में पर्यटन को बढ़ावा

774 श्री ए. डी. सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार लक्षद्वीप द्वीप समूह को बड़े स्तर पर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मंशा रखती है;

(ख) यदि हां, तो क्या वर्तमान अवसंरचना और स्थान की अनूठी प्रकृति द्वीप समूह को पर्यटकों की भारी आमद के योग्य बनाती है; और

(ग) इस क्षेत्र की पर्यावरण-संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए लक्षद्वीप द्वीप समूह की पर्यटन क्षमता का दोहन करने हेतु सरकार की क्या रणनीति है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): लक्षद्वीप द्वीपसमूह के विकास हेतु समग्र कार्यनीति, स्थायी विकास प्राप्त करने, अद्वितीय सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विशेषताओं को परिरक्षित करने तथा द्वीपवासियों का जीवन बेहतर बनाने पर आधारित है । इसमें लक्षद्वीप को जिम्मेदार और समावेशी विकास के लिए एक ऐसे मॉडल के रूप में स्थापित करने की आकांक्षा की गई है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक प्रगति के बीच संतुलन हो । इस कार्यनीति में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए द्वीपों की प्राकृतिक सुंदरता का उपयोग करना, एक मजबूत और लचीली अर्थव्यवस्था बनाना और स्थानीय समुदायों में गौरव और कल्याण की भावना को बढ़ावा देना शामिल है ।

कार्यनीतिक योजना और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से समग्र विकास में एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना की गई है जहां लक्षद्वीप द्वीपसमूह प्रकृति और स्थायी आर्थिक कार्यप्रथाओं के साथ समन्वय में उन्नति करे । लक्षद्वीप द्वीपसमूह के विकास के लिए

परियोजनाओं की संरचना, पर्यावरण, वन और सीआरजेड स्वीकृतियों आदि सहित विभिन्न लागू कानूनों के अंतर्गत अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाती है ।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है और एसडी 2.0 के तहत विकास के लिए लक्षद्वीप सहित देश में 57 गंतव्यों को अधिसूचित किया है ।

मंत्रालय द्वारा तैयार स्थायी पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति के अनुरूप पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन संसाधनों की खपत हेतु पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों के लिए उठाए गए सुविचारित और सुनियोजित कदमों के माध्यम से देश में स्थायी पर्यटन का संवर्धन के उद्देश्य से 'ट्रैवल फॉर लाइफ' पहल की शुरूआत की है ।

देश में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटक गंतव्यों और स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म सोसाइटी ऑफ इंडिया (आरटीएसओआई) के सहयोग से देश के विविध क्षेत्रों के राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को कवर करते हुए क्षेत्रीय कार्यशालाएं भी आयोजित की थीं । लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र सहित दक्षिणी क्षेत्र के राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के लिए कार्यशाला फरवरी, 2023 में हैदराबाद में आयोजित की गई थी।

*****